PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 031
दि. 31.05.2026, रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पीएम मोदी और नौसेना प्रमुख की मुलाकात; समुद्री सुरक्षा, नौसेना की रणनीति के साथ चुनौतियों पर चर्चा

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, सेवानिवृत्ति से पहले भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति, नौसेना की तैयारियों और समुद्री चुनौतियों की जानकारी दी। भारतीय नौसेना ने कहा कि वह हर परिस्थिति में देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए तैयार है। वहीं केंद्र सरकार ने वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को अगला नौसेना प्रमुख नियुक्त किया है।

भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने सेवानिवृत्ति से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर हिंद महासागर क्षेत्र यानी आईओआर की सुरक्षा स्थिति, नौसेना की ऑपरेशनल तैयारी और समुद्री क्षेत्र में उभरती चुनौतियों की जानकारी दी। भारतीय नौसेना ने कहा कि तेजी से बदलती तकनीक और समुद्री सुरक्षा के नए खतरे भारत के लिए बड़ी चुनौती बन रहे हैं। ऐसे में नौसेना हर परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। एडमिरल त्रिपाठी 31 मई को सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने हिंद महासागर क्षेत्र की मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि समुद्री क्षेत्र में तेजी से बदल रही तकनीक, सुरक्षा चुनौतियां और रणनीतिक गतिविधियां भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। भारतीय नौसेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि नौसेना एक 'युद्ध के लिए तैयार, भरोसेमंद, संगठित और भविष्य के लिए तैयार आत्मनिर्भर बल' के रूप में देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। नौसेना ने यह भी कहा कि भारत किसी भी समय, कहीं भी और किसी भी परिस्थिति में अपने समुद्री हितों की सुरक्षा करने में सक्षम है।

हिंद महासागर क्षेत्र भारत की समुद्री सुरक्षा और व्यापार के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। दुनिया के बड़े व्यापारिक मार्ग इसी क्षेत्र से होकर गुजरते हैं। ऐसे में इस इलाके में बढ़ती सामरिक गतिविधियां और नई तकनीकी चुनौतियां भारत की चिंता बढ़ा रही हैं। नौसेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री को बताया कि समुद्री क्षेत्र में तेजी से बदलते हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। भारत अपनी नौसैनिक क्षमता को आधुनिक तकनीक और आत्मनिर्भरता के जरिए मजबूत करने पर भी तेजी से काम कर रहा है।

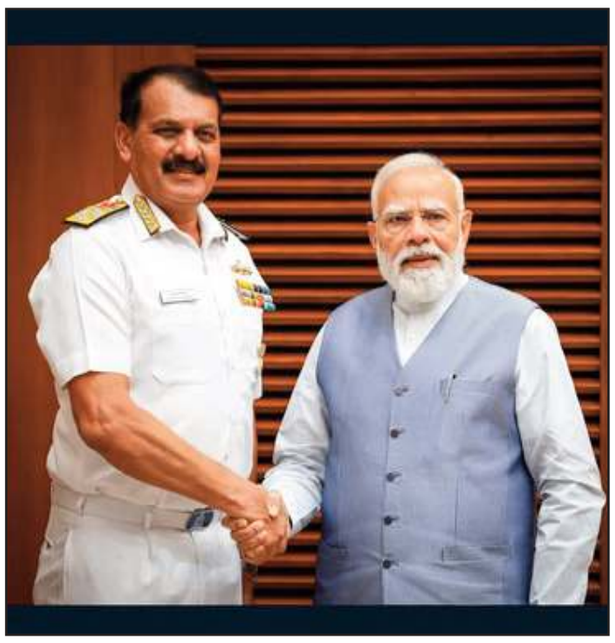

एडमिरल त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री मोदी को भारतीय नौसेना की

ऑपरेशनल तैयारियों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नौसेना हर तरह की चुनौती से निपटने के लिए लगातार अभ्यास और तकनीकी सुधार कर रही है।

समुद्री निगरानी, युद्ध क्षमता और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को आधुनिक बनाया जा रहा है। नौसेना का फोकस आत्मनिर्भरता बढ़ाने और स्वदेशी तकनीक को मजबूत करने पर भी है। अधिकारियों के मुताबिक भारत की नौसेना अब भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए खुद को तेजी से तैयार कर रही है।

नए नौसेना प्रमुख कौन होंगे?

केंद्र सरकार ने इसी महीने वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को भारतीय नौसेना का अगला प्रमुख नियुक्त किया है। वह एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी के सेवानिवृत्त होने के बाद पदभार संभालेंगे। वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन 31 जुलाई 2025 से पश्चिमी नौसेना कमान के 34वें फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली का विशेषज्ञ माना जाता है।

वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन का अनुभव कितना अहम?

वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन का नौसेना में लंबा अनुभव रहा है। उन्हें 1 जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में कमीशन मिला था। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला, ब्रिटेन के जॉइंट सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज, करंजा के कॉलेज ऑफ नेवल वारफेयर और अमेरिका के यूनाइटेड स्टेट्स नेवल वॉर कॉलेज से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। माना जा रहा है कि उनके नेतृत्व में भारतीय नौसेना तकनीकी और रणनीतिक दोनों स्तरों पर और मजबूत होगी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस: 21 जून को कोलकाता आ सकते हैं पीएम

(जीएनएस)।

कोलकाताः बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद केंद्र सरकार ने राज्य में एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है यह जानकारी सामने आ रही है। आगामी 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य राष्ट्रीय आयोजन कोलकाता में होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल होंगे। केंद्रीय आयुष मंत्रालय की ओर से इसके संकेत दिए गए हैं।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने खुद इसके संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा है कि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से समृद्ध कोलकाता इस बार योग दिवस के ऐतिहासिक आयोजन का

केंद्र बनेगा। कार्यक्रम में लाखों लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है और राज्य प्रशासन ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

इस वर्ष योग दिवस की थीम 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' रखी गई है। मंत्रालय का मानना है कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक संतुलन और दीर्घायु जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण है। राजनीतिक रूप से भी इस आयोजन को अहम माना जा रहा है, क्योंकि विधानसभा चुनाव में बदलाव के बाद पहली बार केंद्र सरकार बंगाल में इतने बड़े स्तर का सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी से इस आयोजन का महत्व और बढ़ गया है।

अब भारत के 'सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर' पीएम मोदी हैं: शेखावत

(जीएनएस)।

नयी दिल्ली, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का कहना है कि 10-15 साल पहले तक विदेश में भारत की पहचान मुख्य रूप से महात्मा गांधी से जुड़ी थी, लेकिन अब यह बदल गया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के 'सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर' हैं।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने 'पीटीआई वीडियो' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि भारत की संस्कृति- इसकी विरासत, त्योहार और व्यंजन झ भी देश की पहचान हैं।

उन्होंने कहा कि दुनिया में भारत को जिस नजरिए से देखा जाता था, उसमें 'कुछ कमी' थी।

इस सप्ताह की शुरूआत में मंत्री ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा था,''10-15 साल पहले तक अगर आप दुनिया के किसी भी देश में जाते और किसी व्यक्ति से उसके हुलिए के आधार पर पूछते कि क्या वह भारतीय है, तो वह खुद को भारतीय कहने में हिचकिचाता था। वह अपना परिचय एशियाई के रूप में देता था। फिर अगर आप उससे पूछते कि वह एशिया में कहां से है, तब वह कहता कि मैं भारतीय हूं।''

मंत्री ने कहा कि इसके पहले अगर कोई पर्यटक विदेश में किसी को बताता कि वह भारतीय है, तो जवाब होता, 'भारत! 'ओह, श्रीमान गांधी'।

शेखावत ने कहा कि भारत की छवि और पहचान 'गांधीजी से जुड़ी हुई थी'। उन्होंने कहा, ''लेकिन आज, और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं, आप दुनिया के किसी भी देश में जा सकते हैंझ्र सबसे छोटे कैरेबियन द्वीप से लेकर अमेरिका तक, और दक्षिण एशिया से लेकर पश्चिम एशिया तक, आप कहीं भी जा सकते हैं, और अगर आप किसी को बताएं कि 'मैं भारत से हूं', तो आप उनके चेहरे पर एक प्यारी सी मुस्कान और एक विस्मयबोधक शब्द देखेंगे, 'भारत! ओह, श्रीमान मोदी'।'

मंत्री से पूछा गया कि भारत का सबसे बड़ा ब्रांड एंबेसडर कौन है, संस्कृति एवं पर्यटन या बॉलीवुड। इसके जवाब में उन्होंने कहा, ''आजकल हमारे सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर हमारे प्रधानमंत्री हैं।''

शोखावत ने कहा, ''वैसे भी, यह कोई राजनीतिक जवाब नहीं है।

मैं यह एक आम आदमी के तौर पर कह रहा हूं। जैसा कि हमने अभी कहा, 10-15 साल पहले तक गांधीजी दशकों से भारत के ब्रांड एंबेसडर थे। और अब मोदी जी भारत के ब्रांड एंबेसडर हैं। लेकिन भारत की संस्कृति ही भारत की ब्रांड एंबेसडर है। और भारत की संस्कृति ही भारत की पहचान है।''

उन्होंने कहा कि संस्कृति और विरासत किसी देश का सार और उसकी पहचान बने रहेंगे, लेकिन एक नेता की छवि विदेश में देश की छवि बदल देती है।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि जब किसी देश की छवि बदलती है, तो इसका असर देश के पर्यटन पर पड़ता है और उस देश के प्रति आकर्षण बढ़ जाता है।

शेखावत ने कहा कि जो बदलाव हुआ है, उससे भारत को मजबूती मिलती है और यह विश्वास और दृढ़ धारणा बनी है कि भारत में विदेशी पर्यटकों की संख्या वर्तमान में 10 करोड़ से बढ़कर 2047 तक 100 करोड़ हो जाएगी।

भारत की संभावित आर्थिक समृद्धि और विश्व स्तरीय सुविधाओं के विकास से अगर किसी क्षेत्र को सबसे अधिक लाभ होगा, तो वह पर्यटन ही होगा।

क्या पर्यटन को भी सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की तरह ही रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जाना चाहिए? इसके जवाब में शेखावत ने कहा, ''तुलना करने पर मुझे लगता है कि इसे उतना रणनीतिक महत्व नहीं मिला है, लेकिन प्रधानमंत्री ने इस दिशा में बहुत तेज गति से काम किया है।''

उन्होंने कहा कि भारत के सभी दूतावासों को बता दिया गया है कि उनके प्रदर्शन का आकलन करने के मापदंडों में से एक उस देश से भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या होगी। इसलिए, अब दूतावास भी काम में जुट गए हैं और सभी पूरी तरह से सतर्क हैं।

यदि दक्षिण कोरिया ने के-पॉप को अपनी ब्रांड पहचान बनाई और थाईलैंड ने अपने आतिथ्य क्षेत्र को अपनी पहचान के रूप में बेचा, तो भारत की वैश्विक स्तर पर पर्यटन पहचान क्या है?

इसके जवाब में मंत्री ने कहा, ''यह 'अतुल्य भारत' है। और अब हम इसे अपरिहार्य भारत की ओर ले जा रहे हैं।''

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने गोवा के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों शुभकामनाएं दीं

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने गोवा के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों शुभकामनाएं दीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों शुभकामनाएं दी हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में राष्ट्रपति ने कहा कि गोवा न केवल अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शानदार आतिथि सत्कार के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि शिक्षा, प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप और सतत विकास में उल्लेखनीय प्रगति के लिए भी जाना जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह अवसर उन सभी को याद करने का है जिन्होंने राज्य की प्रगति और पहचान के लिए अथक परिश्रम किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि गोवा समृद्ध होता रहेगा और विकसित भारत के लक्ष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राजधानी लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका का लोकार्पण, राजनाथ सिंह बोले- सीएम योगी के नेतृत्व में बदली यूपी की पहचान

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका का भव्य लोकार्पण रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया. इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश की पहचान वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया के रूप में होती थी, लेकिन आज वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के रूप में हो रही है.

उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन उत्तर प्रदेश के जनप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मजबूत नेतृत्व का नतीजा है. कभी उत्तर प्रदेश की पहचान गुंडाराज और बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था से होती थी. मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में आज का उत्तर प्रदेश बदल चुका है. 19 करोड़ से लागत से 2 एकड़ से अधिक क्षेत्र में निर्मित नौसेना शौर्य वाटिका (नौसेना शौर्य

संग्रहालय के द्वितीय चरण) का लोकार्पण किया गया है.

इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नौसेना शौर्य वाटिका कोई साधारण पर्यटन स्थल नहीं है, बल्कि यह एक जीवंत प्रेरणा स्थल है. यह आने वाली पीढ़ियों को बताएगी कि देश की आजादी और सुरक्षा की क्या कीमत होती है. उन्होंने कहा कि नौ सेना शौर्य स्थल लखनऊ के लिए एक प्रेरणा स्थल तो बनेगा ही, साथ ही टूरिस्ट हब के रूप में भी बनेगा.

यह लखनऊ की पहचान भी बनेगा. यह सब बढ़ते हुए उत्तर प्रदेश की तस्वीर है, जो हमारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आगे बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि लखनऊ अब तहजीब और संस्कृति का शहर होने के साथ-साथ राष्ट्र भक्ति और सैन्य गौरव का भी प्रतीक बन रहा है.

रक्षामंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज जिस तरह से विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, उसे आज हम सभी देख रहे हैं. हम सभी जानते हैं कि कभी उत्तर प्रदेश की पहचान गुंडाराज और बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था से होती थी।

लोग भय से जीते थे और डर में अपनी जिंदगी गुजारते थे. निवेशक यूपी में आने से कतराते थे. वह सोचते थे कि यूपी में कानून व्यवस्था बद से बदतर है और अगर यूपी में हम इन्वेस्ट करेंगे तो गुंडों और बदमाशों के द्वारा परेशान किया जाएगा.

गृह मंत्री ने गुजरात के भुज में सीमा संबंधी विषयों पर बैठक की अध्यक्षता की

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने गुजरात के भुज में भारत-पाकिस्तान सीमा (IPB) से लगे गुजरात के सीमावर्ती एवं तटीय जिलों से जुड़े सुरक्षा संबंधी विषयों पर सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, गुजरात के DGP सहित राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा कच्छ, वाव थराद और पाटन के DM और SP उपस्थित थे। बैठक में अधिक सुदृढ़ और व्यापक सीमा प्रबंधन की दृष्टि से भारत-पाकिस्तान सीमा पर ऐसे सीमावर्ती क्षेत्रों की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया, तथा इसमें राज्य सरकार, विशेषकर DM और SP की सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका पर बल दिया गया।

बैठक के दौरान केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि बॉर्डर फेंसिंग, समुद्री सीमा सुरक्षा और राज्य सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति से

गुजरात के सुरक्षा परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया है और राज्य में घुसपैठ तथा बॉर्डर पर तस्करी पूरी तरह बंद हो गई है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के 0 से 15 किलोमीटर क्षेत्र में हर अनधिकृत अतिक्रमण के प्रति जीरो टॉलरेंस अप्रोच रखकर उसे समाप्त किया जाए। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में Radicalization के केंद्रों पर पैनी नजर रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

श्री अमित शाह ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में जिला मजिस्ट्रेट को जनसांख्यिकी परिवर्तन की सख्त मॉनिटरिंग एवं नियमित रिपोर्टिंग करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों के आने के कारण हो रहा रिवर्स माइग्रेशन स्वागतयोग्य है। श्री शाह ने कहा कि पहले से बसे घुसपैठियों को वापस भेजने के कार्य में पुलिस स्टेशन से लेकर पटवारी तक, सब एकजुट होकर आगे आएं। उन्होंने कहा कि हर सीमावर्ती जिले की चुनौतियों और जरूरतों के आधार पर स्थानीय प्रशासन SOPs तैयार करे, जिसमें पहले से बसे घुसपैठियों, ड्रोन और नार्को की पहचान करना सुनिश्चित हो।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हर जिले में सुरक्षा समन्वय समूह बनाए जाएं, जिसमें BSF, तटरक्षक बल, आयकर विभाग, एऊ और लीड बैंक के मैनेजर को शामिल किया जाए। श्री शाह ने कहा कि इनकम टैक्स, मनी लॉन्ड्रिंग और कस्टम कानूनों के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी उ्ट, रढ और IG, बॉर्डर रेंज की होनी चाहिए।

श्री अमित शाह ने सीमावर्ती जिलों में हवाला ट्रांजैक्शन, लेनदेन, म्यूल अकाउंट, शेल कंपनियों, संदिग्ध वाहनों और GST कलेक्शन पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आर्थिक अपराध से निपटने वाली एजेंसियों को सीमा क्षेत्रों के बारे में कड़ाई से सूचित किया जाए और Income Tax Department RBI के साथ मिलकर सर्वे की बड़ी मुहिम चलाए।

जब कांड हो जाता है उसके बाद प्रधानमंत्री नजर रखना क्यों शुरू करते हैं, पवन खेड़ा का पीएम मोदी पर निशाना

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः नीट यूजी पेपर लीक मामले पर घमासान जारी है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जब कांड हो जाता है उसके बाद प्रधानमंत्री नजर रखना क्यों शुरू करते हैं? लगातार पेपर लीक हो रहे हैं, 2024 में भी हुआ तब भी प्रधानमंत्री ने निगरानी नहीं रखी फिर 2026 में लीक हो गया। अब जब भी कोई पेपर लीक होगा तो क्या प्रधानमंत्री इस्तीफा देंगे? क्या इसकी जिम्मेदारी लेंगे? पवन खेड़ा बोले- आज की जवाबदेही किसकी है

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने आगे शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को भी घेरा। उन्होंने कहा कि अब तो धर्मेंद्र प्रधान की कोई जिम्मेदारी अब बन नहीं रही। सुना है नीट यूजी रीटेस्ट में अब एयर फोर्स का इस्तेमाल करने वाले हैं तो क्या अब रक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगें? आज की जवाबदेही किसकी है? बीते हुए कल की जवाबदेही पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू जी की है आज की किसकी है? जिन बच्चों का भविष्य तबाह हो गया उनको जवाब कौन देगा? प्रधानमंत्री किसी घटना के हो जाने के बाद ही उस पर नजर रखना क्यों शुरू करते हैं?

आज के समय की जवाबदेही किसकी है? यह सवाल 2047 में पूछिएगा। उन बच्चों के भविष्य के लिए कौन जवाब देगा, जिनका भविष्य बर्बाद हो चुका है? - पवन खेड़ा, कांग्रेस नेता

नीट-यूजी 2026 परीक्षा के पेपर लीक मामले को लेकर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि समस्या शिक्षा मंत्रालय में है, लेकिन समाधान कहीं और ढूंढा जा रहा है। भूपेश बघेल ने कहा कि अगर पेपर की सुरक्षा के लिए अब सेना की मदद ली जा रही है तो इसका मतलब साफ है कि सरकार को अपनी पुलिस पर भरोसा नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि असली समस्या मंत्रालय में है और उसे वहीं सुलझाना चाहिए, न कि सेना को बीच में लाकर।

भूपेश बघेल ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर कार्रवाई न करने के लिए केंद्र सरकार से सवाल किया। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान ने खुद माना है कि परीक्षा में गड़बड़ियां हुई हैं। अगर गड़बड़ी स्वीकार है तो उन्हें तुरंत पद से हटा देना चाहिए।

लखनऊ में डे-केयर सेंटर का जर्जर गेट गिरने से 7 वर्षीय बच्चे की मौत, स्थानीय लोगों में आक्रोश

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 'बचपन डे केयर स्कूल' का जर्जर गेट अचानक गिरने से 7 साल के बच्चे की मौत हो गई। इस घटना से स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश है। हालांकि, प्रशासन ने पीड़ित परिवार को सहायता का आश्वासन दिया है।

(जीएनएस)।

लखनऊ, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 'बचपन डे केयर स्कूल' का जर्जर गेट अचानक गिरने से 7 साल के बच्चे की मौत हो गई। इस घटना से स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश है। हालांकि, प्रशासन ने पीड़ित परिवार को सहायता का आश्वासन दिया है।

मृतक बच्चे की मां ने बताया, "मेरा बेटा वहीं खेल रहा था। गेट बहुत खराब हालत में था। सब लोग अधिकारियों को इस बारे में बता रहे थे, लेकिन सरकार ने किसी की नहीं सुनी। जब बच्चे ने गेट को छुआ, तो

वह मेरे बच्चे के ऊपर गिर गया।"

जानकारी के अनुसार, यह दुखद घटना सुबह 9 बजे से 9:30 बजे के बीच घटी। यह स्कूल दृष्टिबाधित बच्चों के लिए एक सुविधा केंद्र है, जो 'दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग' के अंतर्गत संचालित होता है। बताया जा रहा है कि शिवा स्कूल के प्रवेश द्वार के पास अपने भाई-बहनों और अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था, तभी लोहे का एक पुराना और कथित तौर पर जर्जर गेट अचानक टूटकर उस पर गिर गया। उस भारी-भरकम गेट के नीचे दब जाने से बच्चे को गंभीर चोटें आईं। अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी।

एक स्थानीय नागरिक ने आईएएनएस को बताया, "बच्चा सुबह घर से बाहर खेलने के लिए निकला था। वह डे-केयर सेंटर के गेट के सामने खेल रहा था। उसी समय गेट गिर गया, जो पहले से ही जर्जर स्थिति में था। गेट का वजन अधिक होने के कारण बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, उसे हम तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया था।"

वहीं, सदर एसडीएम मनोज सिंह ने कहा, "डे-केयर सेंटर के पास कुछ बच्चे रहते हैं। सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि एक बच्चा इसे खोलने की कोशिश कर रहा था। हालांकि, गेट क्यों गिरा, यह जांच का विषय है।" एसडीएम ने कहा कि शिवा की दुखद मृत्यु हुई है। पीड़ित परिवार को सहायता राशि दिलाई जाएगी।

जानलेवा हमला करने के आरोपियों की तलाश में लखनऊ में दबिश

(जीएनएस)।

अयोध्या। कुमारगंज थाना क्षेत्र के उधुई पूरे विंध्या गांव निवासी शिवम पांडेय पर जानलेवा हमला करने के आरोपी रोहन सिंह और उसके साथियों की तलाश में पुलिस ने लखनऊ में दबिश दी है। इस दौरान लखनऊ के एक क्षेत्र में आरोपियों के वाहन पलटने की भी सूचना है। हालांकि, इस मामले में जिले की पुलिस कुछ भी बोलने से इन्कार कर रही है।

गांव निवासी नीलम पांडेय ने तीन दिन पूर्व रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें उन्होंने बताया कि उनका 16 वर्षीय बेटा शिवम घर आ रहा था। उधुई मोड़ के पास खंडासा के अंजरौली निवासी रोहन सिंह ने जानलेवा हमला कर दिया। उसका गला दबाने से वह बेहोश हो गया। बाद में आरोपी शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। आरोपियों की तलाश में एसओजी टीम लगाई गई थी। सूत्रों के अनुसार आरोपियों की तलाश में जिले की पुलिस ने लखनऊ के एक इलाके में दबिश डाली। आरोपी वाहन लेकर भागने लगे। इस बीच उनका वाहन एक खांयी में पलट गया और आरोपी पुलिस को चकमा देकर भाग गए। सीओ मिल्कीपुर पीयूष ने बताया कि टीम आरोपियों की तलाश तो कर रही है, लेकिन इस बारे में जानकारी नहीं है।

लखनऊ में निर्माण के दो दिन में उखड़ने लगी नई सड़क, ग्रामीणों ने उठाए गुणवत्ता पर सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी में सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र की पिपरसंड ग्रामसभा के मजरा गुलालखेड़ा में लोक निर्माण विभाग ने जिस सड़क का निर्माण करवाया है, उसने दो दिन बाद ही परत छोड़ दी है। नई सड़क की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि बाबा जय सिंह से गुलालखेड़ा तक बनाई गई सड़क के निर्माण में घोटाला हुआ है। निर्माण के दो दिन बाद ही उखड़ने से इसकी गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

स्थानीय निवासियों के अनुसार सड़क निर्माण के लिए शासन से धन स्वीकृत हुआ था और लंबे समय के बाद यह कार्य पूरा कराया गया। लेकिन सड़क बनने के कुछ ही घंटों बाद इसकी परतें उखड़ने लगीं। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी की गई है, जिसके चलते नई सड़क जल्द ही क्षतिग्रस्त हो गई।

सड़क की खराब गुणवत्ता को लेकर क्षेत्रीय लोगों ने सोशल मीडिया पर वीडियो और तस्वीरें साझा कर विरोध दर्ज कराया है।

वायरल हो रहे वीडियो और फोटो में सड़क की परतें उखड़ी हुई दिखाई दे रही हैं, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं।

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही भविष्य में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करने की भी अपील की है।

रानी चटर्जी ने शेयर किया 'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' का बीटीएस वीडियो

रानी चटर्जी ने अपनी फिल्म 'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' के गाने 'यू. पी. वाली बिहार वाली' का बीटीएस वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया.

(जीएनएस)।

रानी चटर्जी इन दिनों अपनी नई भोजपुरी फिल्म 'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं. इसी बीच अब एक्ट्रेस ने अपनी इसी फिल्म के गाने 'यू. पी. वाली बिहार वाली' का एक मजेदार बीटीएस वीडियो शेयर किया, जिसमें उनका और संजना सिंह का खास अंदाज देखने को मिला. दोनों ही एक्ट्रेस देवरान और जेठान के रोल में काफी जंच रही हैं. उनका अंदाज देखते ही बन रहा है.

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में रानी के साथ उनकी सह-कलाकार संजना भी नजर आ रही हैं. दोनों एक्ट्रेसेस गाने की धुन पर अच्छे से परफॉर्म करती दिख रही हैं. इसमें फिल्म के डायरेक्टर (निर्देशक) दोनों एक्ट्रेसेस को गाने के स्टेप्स और उसके पीछे के इमोशंस को गहराई से समझाते हुए दिखाई दे रहे हैं. वीडियो पोस्ट कर एक्ट्रेस ने फैंस से पूछते हुए लिखा, 'क्या आपने गाना सुना?'

यूपी और बिहार की दो बहुओं की मजेदार कहानी

इस फिल्म में रानी उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं जबकि संजना बिहार की रहने वाली हैं. ये कहानी एक ही घर में रहने वाली दो अलग-अलग राज्यों की बहू के बीच होने वाली छोटी-छोटी नोकझोंक और प्यार भरे झगड़ों पर आधारित है. इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक तरफ लखनऊ की शानोशौकत वाली यूपी की लड़की और दूसरी तरफ अपनी सादगी और परंपराओं को मानने वाली बिहार की लड़की के बीच मजेदार मुकाबले होते हैं.

फिल्म को मिल रहा अच्छा रिस्पॉन्स

'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' के डायरेक्टर मंजुल ठाकुर हैं जबकि फिल्म के प्रोड्यूसर संदीप सिंह और मंजुल ठाकुर हैं. फिल्म की कहानी अरविंद तिवारी ने लिखी है. फिल्म में रानी चटर्जी और संजना सिंह के अलावा प्रशांत सिंह, अलोक सिंह, रीना रानी, ललित उपाध्याय, श्वेता वर्मा और प्रेम दुबे भी हैं.

फिल्म में रानी चटर्जी जेठानी के किरदार में हैं तो संजना पांडे देवरानी के किरदार में हैं. दोनों ही भोजपुरी इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेसेस में शुमार हैं. फिल्म का पहले नाम 'यू. पी. वाली बिहार वाली' था लेकिन मेकर्स ने रिलीज से पहले ही इसका नाम बदलकर 'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' रख दिया था. फिल्म का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 23 मई और 24 मई को बी4यू भोजपुरी चैनल पर हुआ था, जिसके बाद से फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है.

'पीएम मोदी ने नीट पेपर लीक की भी निगरानी की', राहुल गांधी के तंज पर भड़की भाजपा, कहा- 'हर मुद्दे पर बेमतलब...'

(जीएनएस)।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि अगर वह ठएएळ मामले की जांच की निगरानी कर रहे हैं, तो उन्होंने पेपर लीक की भी 'व्यक्तिगत निगरानी' की होगी. राहुल गांधी के इस बयान पर बीजेपी ने कड़ी आपत्ति जताई और इसे गैर-जिम्मेदाराना तथा सनसनीखेज राजनीति बताया.

सुप्रीम कोर्ट में क्या कहा गया?

शुक्रवार को NEET-UG पेपर लीक मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पूरे मामले पर व्यक्तिगत रूप से नजर रख रहे हैं. यह टिप्पणी उस समय आई जब सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से जांच की प्रक्रिया और निष्कर्ष तक पहुंचने के तरीके को लेकर हलफनामा दाखिल करने को कहा. जवाब में तुषार मेहता ने कहा, 'माननीय प्रधानमंत्री व्यक्तिगत रूप से इसकी निगरानी कर रहे हैं.'

सुप्रीम कोर्ट में दिए गए इस बयान के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तंज कसते हुए लिखा, 'PM मोदी ने NEET पेपर लीक की भी व्यक्तिगत रूप से निगरानी की थी.' राहुल गांधी पिछले कुछ दिनों से ठएएळ पेपर लीक विवाद को लेकर लगातार केंद्र सरकार को घेर रहे हैं. इसके अलावा वह उइएए के ऑन-स्क्रीन मार्किंग (OSM) सिस्टम को लेकर उठे विवाद पर भी सवाल उठा चुके हैं. कांग्रेस नेता लगातार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और प्रधानमंत्री से जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे हैं.

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) ने 3 मई को मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए NEET-UG परीक्षा आयोजित कराई थी. बाद में पेपर लीक के आरोप सामने आने पर 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई. इस मामले की जांच फिलहाल सीबीआई कर रही है.

राहुल गांधी के बयान के बाद बीजेपी ने उन पर जमकर हमला बोला. पार्टी का कहना है कि विपक्ष के नेता ने जिम्मेदारी दिखाने के बजाय सनसनी फैलाने का रास्ता चुना है.बीजेपी नेताओं ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और छात्रों के गंभीर मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं.

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी के बयान को 'बेतुका' करार दिया. उन्होंने पर लिखा, 'राहुल गांधी के ऐसे बयान दिखाते हैं कि वह देश के युवाओं से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को कितनी अपरिपक्वता और गैर-जिम्मेदारी से देखते हैं.' शेखावत ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष से उम्मीद की जाती है कि वह तथ्यों पर आधारित बात करें, न कि सिर्फ राजनीतिक सुर्खियां बटोरने के लिए सनसनीखेज आरोप लगाएं. उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे बयान लोकतंत्र को मजबूत नहीं करते, बल्कि जनता का भरोसा कमजोर करते हैं और लाखों छात्रों व उनके परिवारों की वास्तविक चिंताओं को हल्का बनाकर पेश करते हैं.'

बीजेपी नेता अमित मालवीय ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा. उन्होंने कहा, 'यह कहना कि प्रधानमंत्री मोदी ने ठएएळ पेपर लीक की व्यक्तिगत निगरानी की, पूरी तरह बेतुका, चौंकाने वाला और तर्क से परे है.'

एनडीए सरकार के 12 साल पूरे होने पर यूपी में चलेगा व्यापक जनसंपर्क अभियान, सीएम योगी ने की बैठक

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उत्तर प्रदेश में 05 जून से 21 जून तक विकास, सेवा, सुशासन और जनकल्याण की उपलब्धियों को समर्पित व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मंत्रिमंडल एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर अभियान की तैयारियों की समीक्षा की और निर्देश दिए कि केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं और विकास की परिवर्तनकारी यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इसे व्यापक जनभागीदारी का अभियान बनाया जाए.

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, गरीब कल्याण, सामाजिक न्याय और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है. केंद्र और राज्य सरकारों ने समन्वित प्रयासों से समाज के प्रत्येक वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है. अभियान के माध्यम से इन उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकसित भारत के संकल्प को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए.

उन्होंने निर्देश दिए कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा, युवा सशक्तीकरण, किसान कल्याण, महिला सुरक्षा एवं सम्मान, गरीब कल्याण, रोजगार सृजन, निवेश, आधारभूत संरचना विकास, कानून-व्यवस्था, डिजिटल सेवाओं तथा सुशासन के क्षेत्र में हुए व्यापक परिवर्तनों, उपलब्धियों और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को जन-जन तक पहुंचाया जाए. विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों की सफलता की कहानियों और उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को भी प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाए.

योगी सरकार का फैसला, सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में होगा सुरक्षा ऑडिट

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मंत्रीगण अपने-अपने प्रभार क्षेत्रों में पर्याप्त समय व्यतीत करें तथा अभियान के प्रत्येक कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें. समाज के विभिन्न वर्गों, प्रबुद्ध जनों, युवाओं, महिलाओं, किसानों, उद्यमियों और व्यापारिक संगठनों के साथ व्यापक संवाद स्थापित किया जाए.

हर विधानसभा में 10 किलोमीटर की प्रगति पथ यात्रा होगी- सीएम योगी

इस बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 05 जून से 21 जून के मध्य प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में लगभग 10 किलोमीटर की 'प्रगति पथ यात्रा' आयोजित की जाएगी. यात्रा के दौरान जनप्रतिनिधि गांवों में रात्रि विश्राम करेंगे, चौपाल लगाएंगे तथा ग्राम प्रधानों और स्थानीय नागरिकों के साथ संवाद स्थापित करेंगे. ग्राम्य विकास विभाग इस कार्यक्रम का समन्वय करेगा तथा सांसद एवं विधायक सक्रिय रूप से इसमें सहभागिता करेंगे. मुख्यमंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को प्रबुद्ध जनों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, उद्यमियों, व्यापारिक संगठनों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के साथ वन-टू-वन संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं और विकसित भारत की परिकल्पना को लेकर व्यापक जनसंवाद स्थापित किया जाए.

मुख्यमंत्री ने कहा कि 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत प्रदेशव्यापी वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं. प्रत्येक विकास खंड एवं नगरीय निकाय में पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता से संबंधित गोष्ठियों का आयोजन किया जाए. अभियान में जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों, स्वयं सहायता समूहों, युवाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों, उद्यमियों तथा आमजन की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित की जाए, ताकि इसे जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा सके. प्रदेश को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से विशेष जनजागरूकता अभियान संचालित किया जाए. सभी कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए.

बैठक में बताया गया कि 08 जून से 14 जून तक जनसंपर्क अभियान, संवाद कार्यक्रम और पैदल मार्च आयोजित किए जाएंगे. 11 एवं 12 जून को मीडिया संवाद कार्यक्रम होंगे, जबकि इसके उपरांत मंत्रीगण जनपद स्तर पर मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे. 13 एवं 14 जून को सांसद एवं विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में मीडिया संवाद के माध्यम से डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों एवं विकास कार्यों की जानकारी साझा करेंगे.

16 एवं 17 जून को जिला स्तर पर विकसित भारत संकल्प सम्मेलन होंगे आयोजित- सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि 14 से 16 जून के बीच प्रदेश के सभी विकास खंडों एवं नगरीय निकायों में जनकल्याण मेलों का आयोजन किया जाए. इन मेलों में केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनियां लगाई जाएं तथा पात्र किन्तु वंचित लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ने के लिए विशेष अभियान संचालित किया जाए. साथ ही आरोग्य मेले, पशु स्वास्थ्य मेले और अन्य जनहितकारी गतिविधियों का आयोजन भी किया जाए. उन्होंने कहा कि 16 एवं 17 जून को जिला स्तर पर विकसित भारत संकल्प सम्मेलन आयोजित किए जाएं. इनमें विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी अपने अनुभव साझा करें तथा प्रबुद्ध वर्ग, युवा, महिलाएं और सामाजिक संगठनों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जाए.

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि युवाओं और विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने के लिए विभिन्न स्थानों पर ऑन द स्पॉट चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए. प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष गोष्ठियां आयोजित कर किसानों, कृषि विशेषज्ञों तथा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को अभियान से जोड़ा जाए. स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें सरकार की योजनाओं और विकास यात्रा से जोड़ने पर भी विशेष बल दिया जाए. 18 एवं 19 जून को केंद्र सरकार की 12 वर्षों की विकास यात्रा तथा विकसित भारत के संकल्प को प्रदर्शित करने के लिए विशेष प्रदर्शनियां आयोजित की जाएं. आकर्षक माध्यमों से उपलब्धियों का प्रभावी प्रदर्शन किया जाए.

700 से अधिक नगरीय निकायों में योग कार्यक्रम होंगे आयोजित- सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी 825 विकास खंडों एवं 700 से अधिक नगरीय निकायों में योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान केवल उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार तक सीमित न रहकर जनता से सीधे संवाद स्थापित करने, लाभार्थियों तक पहुंचने, उनकी अपेक्षाओं को समझने तथा विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को सशक्त जनआंदोलन में परिवर्तित करने का प्रभावी माध्यम बनना चाहिए.

पीएम मोदी के मेलोडी टॉफी गिफ्ट से किसान को आया शानदार आइडिया, अनाज से बनाई जार्जिया मेलोनी की तस्वीर

(जीएनएस)।

नर्मदापुरमः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अपने विदेश दौरे पर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की थी. इस दौरान नरेंद्र मोदी ने जॉर्जिया मेलोनी को मेलोडी चॉकलेट गिफ्ट की थी. इससे प्रेरित होकर नर्मदापुरम के किसान योगेंद्र पाल सोलंकी ने अनाज और देश में बनी चॉकलेट से इटली की प्रधानमंत्री की तस्वीर बनाई है.

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में 5 देशों की विदेश यात्रा पर गए थे. इस दौरान उन्होंने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भारत में बनी मेलोडी चॉकलेट का पैकेट भेंट किया था.

किसान योगेंद्र पाल का कहना है, "यह केवल एक साधारण उपहार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और आत्मीयता का प्रतीक था. पूरी दुनिया अभी आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रही है और उसके प्रभाव की आहट हमारे देश में देखी जा रही है. ऐसे समय में प्रधानमंत्री द्वारा विदेशी यात्रा के दौरान किसी महंगे विदेशी उपहार के बजाय भारत में प्रचलित एक साधारण घरेलू उत्पाद को भेंट करना अत्यंत प्रेरणादायक है."

किसान योगेंद्र पाल सिंह ने बताया, "हमारी भारतीय सनातनी परंपरा में यह मान्यता रही है कि जब परिवार या समाज आर्थिक चुनौतियों से गुजर रहा हो, तब दिखावे और फिजूलखर्ची से बचते हुए सादगी और आत्मनिर्भरता को अपनाया जाए. पुराने समय में जब लोग किसी रिश्तेदारी या मेहमानी में जाते थे, तो घर में बने उत्पाद, मिठाइयां या स्थानीय वस्तुएं ही भेंट स्वरूप ले जाया करते थे. इससे आत्मीयता भी बनी रहती थी और स्थानीय उत्पादों को सम्मान भी मिलता था.

योगेंद्र पाल कहते हैं, "इसी परंपरा का अनुसरण करते हुए प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा मेलोडी चॉकलेट भेंट करना भारतीय संस्कृति, सादगी, स्वदेशी भावना और आर्थिक संयम का प्रतीक माना जा सकता है. यह संदेश देता है कि छोटे और स्थानीय उत्पाद भी विश्व मंच पर भारत की पहचान बना सकते हैं. यह घटना हमें यह भी सिखाती है कि आत्मनिर्भर भारत की भावना केवल बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारे दैनिक जीवन और व्यवहार में भी झलकनी चाहिए."

सलमान खान को धमकी देने वाला लखनऊ में गिरफ्तार; प्रयागराज का है हिस्ट्रीशीटर

DCP पूर्वी दीक्षा शर्मा ने बताया कि गुरुवार को पुलिस की टीम ने अभियुक्त को बंधा रोड थाना गाजीपुर के पास से गिरफ्तार किया.

लखनऊः पुलिस ने 25,000 के ईनामी शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है. अभियुक्त पर पहले से ही एक दर्जन से अधिक मुकदमे पंजीकृत है. अभियुक्त द्वारा अभिनेता सलमान खान को फोन कर धमकी दी थी. वह मुकदमा मुंबई के बांद्रा थाने में दर्ज हुआ था.

लखनऊ पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, अभियुक्त यूपी के प्रयागराज जिले का रहने वाला है. अपने साथी के साथ मिलकर चेन स्नेचिंग की घटना को अंजाम देता है. लखनऊ में भी अभियुक्त शाहरुख ने लगभग 3 सप्ताह पहले इंदिरा नगर के इरम कांवेंट स्कूल के पास एक महिला की चेन लूट ली थी. इसका मुकदमा गाजीपुर थाने में पंजीकृत कराया गया था.

DCP पूर्वी दीक्षा शर्मा ने बताया कि 3 सप्ताह पहले इंदिरा नगर गाजीपुर निवासी विनय गुप्ता ने दो अज्ञात बाइक सवार युवकों पर उनकी पत्नी के गले में पहनी सोने की चेन झपट्टा मारकर लूट लेने के संबंध में मुकदमा पंजीकृत कराया था. मुकदमे के खुलासे के लिए टीम बनाई गई थी. गुरुवार को पुलिस की टीम ने अभियुक्त को बंधा रोड थाना गाजीपुर के पास से गिरफ्तार किया.

अभियुक्त ने अपना नाम शाहरुख उर्फ शेरा बताया. अभियुक्त के कब्जे से लूटी गए चेन और 8000 रुपए नगद बरामद किए गए. शाहरुख प्रयागराज का चिन्हित हिस्ट्रीशीटर है. इसके खिलाफ करेली, खुल्दाबाद, शाहगंज और धूमनगंज थानों में 15 से 20 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं. रंगदारी, हत्या का प्रयास, बमबाजी और अवैध हथियार रखने के मुकदमे पंजीकृत हैं.

सलमान खान को दी थी धमकीः नवंबर 2018 में शेरा ने सलमान खान के पिता सलीम खान और उनके पीए को फोन पर जान से मारने की धमकी दी थी. इसने 13 से 15 नवंबर के बीच कई कॉल्स किए थे. उसने खुद को अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील का गुर्गा और फोन पर डीजीपी साहब बताया था.

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि वह फिल्म इंडस्ट्री में 'गॉडफादर' की तलाश में था. सलमान खान से बात करके काम मांगना चाहता था. जब उसकी बात नहीं मानी गई तो उसने धमकियां दीं. 15 नवंबर 2018 को मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज हुई. 17 नवंबर को मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने यूपी पुलिस की मदद से उसे प्रयागराज के करेली से गिरफ्तार किया था.

मुंबई से जमानत पर छूटने के बाद शेरा ने 8 जून 2019 को व्यापारी हमदान और 15 मार्च को मो. फराज पर जानलेवा हमला किया था. पुलिस ने 25 हजार रुपए के ईनामी बदमाश को लीडर रोड स्थित कूड़ाघर के पास मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था.

करेली पुलिस स्टेशन के अकबरपुर इलाके में नकदी लूट की जांच के दौरान पुलिस टीम की शेरा की गैंग के साथ मुठभेड़ हुई. इस फायरिंग में शेरा के पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया.

जुलाई 2023 में शाहरुख उर्फ शेरा की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई, जिसमें वह कार में सरेआम रिवॉल्वर लहराता हुआ नजर आ रहा था. उसी दौरान उसका एक ऑडियो भी सामने आया था. ऑडियो में वह खुद को छोटा शकील का आदमी बताते हुए धमकी दे रहा था और माफिया अतीक अहमद के लिए अपनी 'जान देने और लेने' की बात कह रहा था.

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

अरब मुल्कों के लिये बड़ी चुनौती अब्राहम समझौता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से साबित कर दिया कि अमेरिका ईरान पर जो युद्ध कर रहा है वह दरअसल उसका अपना युद्ध नहीं। यह सब वुछ ट्रंप इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कहने पर कर रहे हैं। यह युद्ध ट्रंप ने अमेरिका के हितों के लिए नहीं बल्कि इजरायल के हितों की रक्षा करने के लिए किया है। यह किसी से छिपा नहीं कि ट्रंप को नेतन्याहू ब्लैकमेल कर रहे हैं और वह सब वुछ कहने और करने पर करवा रहे हैं जो वो और शक्तिशाली यहूदी लॉबी करवा रही है। सभी जानते हैं कि ट्रंप ऐसा क्यों कर रहे हैं? इसके पीछे एपस्टीन फाइल्स का भूत है। अगर ऐसा नहीं होता तो ट्रंप ये नई शर्त क्यों डालते। ट्रंप ने हाल ही में पाकिस्तान, सऊदी अरब, कतर, तुर्किए, मिस्र और जार्डन से ईरान शांति समझौते में शामिल होने की अपील करते हुए इन अरब देशों से कहा कि ईरान से समझौता तभी पूरा माना जाएगा, जब सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्विए, मिस्र और जार्डन और बहरीन से अरब मुस्लिम देश अब्राहम अकॉर्ड में शामिल हों। यानि इजरायल को मान्यता दें और उससे रिश्ते जोड़ें। ट्रंप ने आगे चेताया कि जो देश ऐसा नहीं करेंगे, उन्हें अमेरिका-ईरान डील का हिस्सा नहीं होना चाहिए। ट्रंप ने सऊदी व कतर से तुरंत इजरायल से संबंध जोड़ने को कहा। ट्रंप ने आगे कहा, डील के बाद ईरान को भी अब्राहम अकॉर्डस में शामिल करना सम्मान की बात होगी। अब्राहम अकॉर्ड की शुरूआत सितम्बर 2020 में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान हुई थी। यह एक वूटनीतिक समझौता था जिसके तहत यूएई और बहरीन ने अधिकारिक तौर पर इजरायल के साथ संबंध सामान्य किए थे। बाद में मोरक्को और सूडान भी इस प्रेमवर्व में शामिल हो गए। दशकों तक अधिकांश अरब मुल्कों का रुख यह था कि जब तक फिलिस्तीन मुद्दे का समाधान नहीं होगा, तब तक वे इजरायल को मान्यता नहीं देंगे। लेकिन इस समझौते ने उस नीति को बदलने की कोशिश की। इस समझौते की सबसे बड़ी आलोचना यह रही कि इसमें फिलिस्तीन मुद्दे को नजरअंदाज कर दिया गया। न तो फिलिस्तीन राज्य को लेकर कोई स्पष्ट रोडमैप दिया गया और न ही इजरायली बस्तियों पर रोम की बात हुई। सभी जानते हैं कि इजरायल एक ग्रेटर इजरायल की भावना पाले बैठा है जिसमें वुछ अरब मुल्कों की जमीनें लेकर एक ग्रेटर (बड़ा इजरायल) बनाना चाहता है और उसमें अब ट्रंप खुलकर बेशमी से मदद कर रहे हैं। पाकिस्तान ने इस प्रस्ताव को तुरंत खारिज कर दिया। पाकिस्तान ने आज तक इजरायल को अधिकारिक मान्यता नहीं दी है। हालांकि, यह बात पाकिस्तान के लिए इतनी आसान नहीं है, क्योंकि ट्रंप जिस तरह के शख्स हैं और अपनी बात मनवाने के लिए जिस तरह से गैर-राजनीतिक तरीकों का इस्तेमाल करते हैं, उससे माना जा रहा है कि हो सकता है कि पाकिस्तान विदेश नीति के सामने आने वाले समय में यह मुद्दा बड़ी चुनौती बनकर सामने आए। सऊदी अरब ने भी इस प्रस्ताव को यह कहकर रद्द कर दिया है कि पहले 1967 की वह स्थिति बहाल करो जब इजरायल जबरन फिलिस्तीन की जमीन काटकर बसाया गया था। तुर्विए ने तो साफ कह दिया कि हमारी तो नीति स्पष्ट है, हम तो इजरायल की मौजूदगी को मानते ही नहीं, इसलिए हमारा इजरायल को मान्यता देने का सवाल ही नहीं उठता। सवाल यह उठता है कि ट्रंप ने आखिर में दांव क्यों चला? ट्रंप ईरान डील को सिर्प युद्ध रोकने वाला समझौता नहीं रखना चाहते। वे इसे पश्चिम एशिया की नई राजनीतिक व्यवस्था बनाना चाहते हैं। इसलिए सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्विए जैसे देशों पर जुड़ने का दबाव दे रहा है। अगर ऐसा होता है तो सबसे बड़ी सफलता इजरायल को मिलेगी। इजरायल को गल्फ में मान्यता मिलेगी।

उपराष्ट्रपति ने गोवा स्थित सीएसआईआर-राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान का दौरा किया

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने आज गोवा के पणजी स्थित सीएसआईआर-राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान (सीएसआईआर-एनआईओ) का दौरा किया।

उपराष्ट्रपति ने संस्थान में वैज्ञानिकों, शोधकताओं और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि लगभग 11,000 किलोमीटर लंबी तटरेखा वाले भारत के लिए महासागर केवल एक संसाधन नहीं बल्कि एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र है जिसका सम्मान और संरक्षण करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत के समुद्र देश को विश्व से अलग करने वाली सीमाएं नहीं हैं, बल्कि वैश्विक व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि और रणनीतिक शक्ति से जोड़ने वाले सेतु हैं।

उपराष्ट्रपति ने भारत की समुद्री विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि सदियों से हिंद महासागर ने भारत की सभ्यता को आकार दिया है, जहां प्राचीन भारतीय व्यापारियों, विद्वानों और नाविकों ने समुद्र के पार सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध स्थापित किए हैं।

श्री राधाकृष्णन ने सीएसआईआर-एनआईओ के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्थान लगभग छह दशकों से भारत के प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों में से एक रहा है। उन्होंने कहा कि अपने शोध, नवाचार और अन्वेषण के माध्यम से यह संस्थान भारत को अधिक आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार बनाने में मदद कर रहा है।

उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग को मजबूत करने के लिए सरकार के प्रयासों की भी सराहना की। सीएसआईआर और नॉर्वे की अनुसंधान परिषद के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह साझेदारी अनुसंधान, नवाचार, प्रौद्योगिकी विकास और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा कि भारतीय अनुसंधान संस्थानों को वैश्विक स्तर पर उन्नत प्रणालियों से निरंतर सीखना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप चलना चाहिए।

श्री राधाकृष्णन ने जलवायु परिवर्तन, बढ़ते समुद्री जल स्तर, समुद्री प्रदूषण, जैव विविधता हानि और सूक्ष्म प्लास्टिक जैसी बढ़ती चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया भर के तटीय समुदाय तेजी से असुरक्षित होते जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकास प्रकृति की कीमत पर नहीं हो सकता और समुद्र विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवता के भविष्य की रक्षा और एक स्थायी, सुरक्षित और समृद्ध विश्व के निर्माण के लिए आवश्यक हो गया है। उन्होंने जिम्मेदार नवाचार के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि वैज्ञानिक प्रगति हमेशा करुणा, स्थिरता और जिम्मेदारी से निर्देशित होनी चाहिए।

श्री राधाकृष्णन ने भारत की भविष्योन्मुखी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि डीप ओशन मिशन, ब्लू इकोनॉमी पहल, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और नवीकरणीय ऊर्जा साझेदारी जैसे कार्यक्रम भविष्य के बारे में साहसिक सोच रखने वाले राष्ट्र को दर्शाते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कोविड-19 महामारी के दौरान भारत की भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की वैज्ञानिक प्रगति ने न केवल अपने नागरिकों बल्कि कई विकासशील देशों की भी मदद की है, जो "वसुधैव कुटुंबकम" की भावना को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि जहां कई देश पेटेंट हासिल करने में लगे थे, वहीं भारत ने मानवता की सेवा को चुना था। उन्होंने कहा कि यदि भारत मजबूत होता है, तो मानवता अधिक सुरक्षित हाथों में होगी।

श्री राधाकृष्णन ने युवा शोधकताओं और छात्रों को संबोधित करते हुए, उनसे निडर होकर सपने देखने और अथक परिश्रम करने का आग्रह किया। गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सच्ची उत्कृष्टता अक्सर किसी विषय में गहरी व्यक्तिगत रुचि और समर्पण से उत्पन्न होती है। उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि संस्थानों और वरिष्ठ मार्गदर्शकों को ऐसी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित और पोषित करना चाहिए।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जलवायु समाधान, समुद्री जैव प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा या महासागर संरक्षण के क्षेत्र में अगली बड़ी उपलब्धि संस्थान में उपस्थित युवा प्रतिभाओं से ही निकल सकती है। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि इनमें से कोई एक दिन भारत के भविष्य के अभियानों का नेतृत्व करते हुए दुनिया के सबसे गहरे महासागरों तक पहुंचेगा।

श्री राधाकृष्णन ने अपनी यात्रा के दौरान, विभिन्न प्रयोगशालाओं और अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का दौरा किया, जिसमें संस्थान की प्रमुख परियोजनाओं और वैज्ञानिक पहलों को प्रदर्शित किया गया था। उन्होंने "समुद्र विज्ञान उत्कृष्टता की एक हीरा विरासत" नामक एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया।

पीएम मोदी ने यूएई राष्ट्रपति को स्वर्ण कोफ्तगिरी खंजर किया गिफ्ट...जानिए इसका उदयपुर से लिंक

प्रधानमंत्री के दिए इस विशेष उपहार से मेवाड़ की पारंपरिक कोफ्तगिरी कला को वैश्विक पहचान मिली.

(जीएनएस)।

उदयपुरः मेवाड़ की ऐतिहासिक कोफ्तगिरी कला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर चर्चा में है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) दौरे में वहां के राष्ट्रपति को उदयपुर में हस्तनिर्मित स्वर्ण कोफ्तगिरी खंजर भेंट किया. प्रधानमंत्री के दिए इस विशेष उपहार से मेवाड़ की पारंपरिक कोफ्तगिरी कला को वैश्विक पहचान मिली. यह खंजर उदयपुर के सहेलियों की बाड़ी क्षेत्र स्थित सिकलीगर आर्ट्स की कार्यशाला में तैयार किया गया. इससे पहले भी प्रधानमंत्री मोदी विदेश दौरों में मेवाड़ की इस कला को बढ़ावा दे चुके हैं.वे नॉर्वे के राष्ट्रपति को भी कोफ्तगिरी कला से निर्मित ढाल भेंट कर चुके हैं.

कोफ्तगिरी कला विशेषज्ञ डॉ. श्यामलता गहलोत ने बताया, कोफ्तगिरी धातु पर सोने और चांदी की महीन जड़ाई की दुर्लभ और ऐतिहासिक कला है. लंबे प्रयास के बाद वर्ष 2021 में इस कला को जीआई (भौगोलिक संकेतक) टैग मिला था. प्राचीन समय में राजघरानों के हथियारों, तलवारों और खंजरों पर इसी कला का उपयोग किया जाता था. इसे बनाने वाले हिम्मत सिंह परिहार ने बताया, उत्कृष्ट कोफ्तगिरी कलाकृति बनाने के लिए धातु पर नक्काशी, महीन तारों की जड़ाई और पारंपरिक डिजाइनों की बारीक उकेरण जैसी कई प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है. इस पूरी प्रक्रिया में कई दिनों की मेहनत और अत्यंत सूक्ष्म कारीगरी की

आवश्यकता होती है.

कीमत करीब एक लाखः खंजर कारीगर हिम्मत सिंह परिहार (सिकलीगर) ने ईटीवी भारत को बताया कि इस विशेष खंजर के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जिला कलेक्टर कार्यालय के जरिए विशेष ऑर्डर मिला था. खंजर तैयार होने के बाद इसे प्रशासन के जरिए भेजा गया. परिहार ने बताया कि यह हस्तनिर्मित ओमानी डेगर (खंजर) है. इसकी कीमत लगभग एक लाख रुपए है. इसे पारंपरिक तकनीकों के साथ तैयार किया गया. खंजर बनाने में समय लगा और हर चरण में बारीक कारीगरी का विशेष ध्यान रखा गया. उनके अनुसार, सिकलीगर समुदाय का हथियारों और धातु शिल्प से सदियों पुराना संबंध रहा है. पुराने समय में समुदाय के कारीगर सिकली नामक विशेष फौलादी कड़े की सहायता से तलवारों की पॉलिश करते थे. इस प्रक्रिया के बाद तलवार इतनी चमकदार हो जाती थी कि उसमें चेहरा देख लो. इसी कारण इस समुदाय को आगे चलकर सिकलीगर कहा जाने लगा.

इतना लगता वक्तः हिम्मत ने बताया कि इसे बनाने में 10 से 15 दिन लगते हैं. इसमें करीब तीन से चार ग्राम सोना लगता है. अरब देशों में फंक्शन में इसे वैसे ही यूज करते हैं, जैसे राजस्थान में राजपूती शादियों में तलवार या कटार का इस्तेमाल होता है. इसमें विशेष प्रकार की ब्लेड लगी है, जिसको सकीला कहते है. इसे वर्ष 1990 से मिडिल ईस्ट देशों में उदयपुर से भेजा जा रहा है. इससे पहले चांदी के खंजर बनाते थे, लेकिन यह फिलहाल कुछ ही दिनों पहले सोने का बनाया था, जिसे प्रधानमंत्री ने गिफ्ट किया. उदयपुर में इस पेशे में करीब डेढ़ सौ लोग जुड़े हैं.

भारत के खेल उत्थान के केंद्र में पूर्वोत्तर क्षेत्रः मांडविया ने राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों की समीक्षा की

मेघालय में 2027 के राष्ट्रीय खेल नया मानदंड स्थापित करेंगे: डॉ. मनसुख मांडविया; मेघालय में 150 करोड़ रुपये की लागत वाले हाई-एल्टीट्यूड प्रशिक्षण केंद्र की घोषणा

अष्टलक्ष्मी राज्य 39वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों में जुटे: डॉ. मांडविया ने तैयारियों की समीक्षा की, खेल अवसंरचना के बड़े विस्तार का किया अनावरण

शिलांग में बहुउद्देशीय एकीकृत खेल इंडोर हॉल का उद्घाटन किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज मेघालय में वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले 39वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों का आकलन करने के लिए एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

इस बैठक में मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा, केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे, आईओए की अध्यक्ष पी.टी. उषा, मेघालय के खेल मंत्री श्री वैलाडमिकी शिला, पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के खेल अधिकारी तथा केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान डॉ.मांडविया ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप, 39वें राष्ट्रीय खेल केवल एक प्रमुख खेल आयोजन ही नहीं होने चाहिए, बल्कि मेघालय और समूचे पूर्वोत्तर क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विविधता तथा विशिष्ट पहचान को देश और दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण मंच भी बनने चाहिए।

उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि खेलों को भारतीय खेल इतिहास का एक यादगार आयोजन बनाने के लिए विश्वस्तरीय खेल अवसंरचना, सुचारु आयोजन व्यवस्था और व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। डॉ. मांडविया ने कहा, 'वर्ष 2027 में मेघालय में आयोजित होने वाले 39वें राष्ट्रीय खेलों के लिए हमारा संदेश स्थिरता और विविधता है,'

विभिन्न राज्यों द्वारा राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी में बढ़ती रुचि का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों का मुख्य फोकस प्रतिभाओं की पहचान और तलाश पर भी होना चाहिए।उन्होंने कहा, 'राष्ट्रीय खेलों का उपयोग डोपिंग के बारे में जागरूकता फैलाने के अवसर के रूप में भी किया जाना चाहिए। खिलाड़ियों को डोपिंग के प्रभावों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए।'

डॉ. मांडविया ने कहा कि मेघालय में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय खेलों के दौरान माय भारत के स्वयंसेवकों को भी सक्रिय रूप से साथ जोड़ा जाना चाहिए।केंद्रीय मंत्री ने अष्टलक्ष्मी (पूर्वोत्तर) राज्यों में खेल अवसंरचना विकास की प्रगति की भी समीक्षा की।

बैठक के दौरान मंत्री के समक्ष खेल अवसंरचना से संबंधित परियोजनाओं की स्थिति, प्रतियोगिता स्थलों की तैयारियों तथा 2027 में आयोजित होने वाले 39वें राष्ट्रीय खेलों की समग्र तैयारियों के बारे में एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। साथ ही उन्हें परियोजनाओं को पूरा करने की समय-सीमा और विशेष ध्यान देने की आवश्यकता वाले प्रमुख क्षेत्रों की जानकारी भी दी गई। पूर्वोत्तर के तीन दिवसीय दौरे पर आए डॉ. मांडविया ने आज शिलांग में स्थापित अत्याधुनिक बहुउद्देशीय एकीकृत खेल इंडोर हॉल का भी उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि यह अत्याधुनिक खेल सुविधा युवा खिलाड़ियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगी और मेघालय तथा पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेलों के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही, यह खेल संबंधी इकोसिस्टम को और मजबूत करेगी तथा खेल प्रतिभाओं की अगली पीढ़ी को तैयार करने में सहायक सिद्ध होगी।

डॉ. मांडविया ने यह भी घोषणा की कि मेघालय में शीघ्र ही 150 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक, विश्वस्तरीय हाई-एल्टीट्यूड प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा।

मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा की सराहना करते हुए डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि उनके नेतृत्व में पिछले आठ वर्षों के दौरान राज्य ने खेल क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है।

डॉ. मांडविया ने कहा, 'उन्होंने मेघालय में खेल संबंधी इकोसिस्टम को सुदृढ़ बनाने के लिए व्यापक और दूरदर्शी प्रयास किए हैं। खेल विज्ञान और आधुनिक प्रशिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देने से लेकर प्रतिभा पहचान और जमीनी स्तर पर खेल विकास कार्यक्रमों की मजबूत व्यवस्था स्थापित करने तक, मुख्यमंत्री ने अन्य राज्यों के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है।'

भारत के खेल परिदृश्य में पूर्वोत्तर क्षेत्र के बढ़ते महत्व को रेखांकित करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि जब मेघालय जैसा राज्य राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी के लिए आगे आता है, तो यह पूरे देश के लिए गर्व का विषय होता है।

उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र ने देश को लगातार उत्कृष्ट खेल प्रतिभाएं दी हैं और राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी से खेल विकास को और गति मिलेगी, युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी तथा पूर्वोत्तर की समृद्ध संस्कृति, आतिथ्य और अपार संभावनाओं को देश के अन्य हिस्सों के सामने प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

डॉ. मांडविया ने कहा, 'मैंने मेघालय में 39वें राष्ट्रीय खेलों के लिए चल रहे अवसंरचना विकास के कार्यों और तैयारियों की प्रगति की समीक्षा की है, और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि राष्ट्रीय खेल 2027 इस आयोजन के इतिहास में एक नया मानदंड स्थापित करेंगे।'

पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेल विकास पर केंद्र सरकार के नए फोकस का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब किसी राज्य का आकार या उसकी जनसंख्या खेल संसाधनों और अवसरों के आवंटन का निर्धारक कारक नहीं रह गया है।

'संगठन, स्वास्थ्य और समृद्धिः स्वस्थ हृदय और स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित तेल सेवन' विषय पर वेबिनार सम्पन्न

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) ने किया वेबिनार का आयोजन

वेबिनार में स्वस्थ हृदय और जीवन के लिए खाद्य तेल के संतुलित सेवन पर दिया गया जोर

(जीएनएस)।

ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) के अंतर्गत आने वाली दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) ने 29 मई 2026 को सुबह 10:30 बजे "संगठन, स्वास्थ्य और समृद्धिः स्वस्थ हृदय और स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित तेल सेवन" शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में ग्रामीण आबादी में बढ़ते मोटापे और हृदय रोगों के संदर्भ में संतुलित खाद्य तेल सेवन के महत्व पर प्रकाश डाला गया और इसका उद्देश्य समुदायों में स्वस्थ आहार संबंधी आदतों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

वेबिनार की अध्यक्षता विकास

मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्री टी.के. अनिल कुमार ने की। इस अवसर पर डीएवाई-एनआरएलएम की संयुक्त सचिव श्रीमती एम.जी. जयश्री और डे-एनआरएलएम की उप सचिव (आरएल) डॉ. मोनिका भी उपस्थित थीं। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय और राज्य स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों, राज्य मिशन निदेशकों, जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों ने भाग लिया। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, सभी 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 10 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सदस्यों ने वेबिनार में भाग लिया।

श्रीमती एम. जी. जयश्री ने स्वागत भाषण दिया और वेबिनार का संदर्भ प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि 91 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक परिवारों तक पहुँच रखने वाला डीएवाई-एनआरएलएम विश्व के सबसे बड़े महिला नेतृत्व वाले सामुदायिक नेटवर्कों में से एक है और जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य और पोषण जागरूकता फैलाने के लिए अद्वितीय रूप से सक्षम है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि मोटापा और हृदय रोग सहित स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियाँ अब केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं हैं और ग्रामीण परिवारों में भी तेजी से दिखाई दे रही हैं। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों और सामुदायिक कार्यकताओं को स्वस्थ खाना पकाने की प्रथाओं को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि यदि प्रत्येक स्वयं सहायता समूह परिवार द्वारा छोटे-छोटे बदलाव अपनाए जाएँ, तो इससे स्वस्थ हृदय, स्वस्थ परिवार और एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण हो सकता है।

विशेषज्ञों का संबोधन आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान के पोषण सूचना, संचार एवं स्वास्थ्य शिक्षा (एनआईसीएचई) प्रभाग के वैज्ञानिक जी और प्रमुख डॉ. सुब्बा राव एम. गवरवरपु ने दिया। उन्होंने जोर देते हुए कहा, 'भारत कुपोषण के तिहरे बोझ का सामना कर रहा है - अल्पपोषण, मोटापा और बढ़ती गैर-संक्रामक बीमारियाँ, और इस संकट की जड़ में अस्वास्थ्यकर वसा का सेवन है। कोई भी तेल पूरी तरह से सुरक्षित नहीं है; आईसीएमआर-एनआईएन के भारतीयों के लिए आहार दिशानिर्देश सरसों, मूंगफली, तिल, सूरजमुखी और अन्य स्थानीय रूप से उपलब्ध तेलों के बीच बारी-बारी से उपयोग करने की सलाह देते हैं, लेकिन सख्त संयम के साथ, 2000 किलो कैलोरी आहार के लिए प्रति व्यक्ति प्रति दिन 30 ग्राम से अधिक वसा का सेवन सीमित करें। तेलों को कभी भी बहुत अधिक तापमान पर लंबे समय तक गर्म नहीं करना चाहिए, और तेलों को बार-बार गर्म करने से सख्ती से बचना चाहिए क्योंकि इससे हानिकारक यौगिक उत्पन्न होते हैं। अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से दूर रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि हमारे बच्चे चिप्स, मीठे पेय और पैकेटबंद स्नैक्स खाकर बड़े हो रहे हैं - आज की आदतें ही कल हमारे राष्ट्र के स्वास्थ्य का निर्धारण करेंगी।'

अपने समापन भाषण में, डीएवाई-एनआरएलएम की राष्ट्रीय मिशन प्रबंधक डॉ. वसुधा शुक्ला ने सभी प्रतिभागियों को उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि दैनिक आहार संबंधी आदतों में छोटे-छोटे बदलाव भी स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं। उन्होंने सभी स्वयं सहायता समूह सदस्यों से आग्रह किया कि वे मासिक एसएचजी बैठकों और नियमित सामुदायिक सहभागिता गतिविधियों के माध्यम से इस चर्चा को अपने गाँव की हर दीदी तक पहुँचाएँ, ताकि संतुलित खाद्य तेल के सेवन का संदेश ग्रामीण भारत के हर घर तक पहुँच सके।

वेबिनार का समापन जमीनी स्तर पर दिन भर की सीख को अमल में लाने की साझा प्रतिबद्धता के साथ हुआ - कि अच्छा स्वास्थ्य रसोई से शुरू होता है, और तेल की हर बूँद की बचत "संगठन, स्वास्थ्य, समृद्धि" की भावना से प्रेरित एक कदम आगे है।

भारतीय वायुसेना द्वारा कसौली में चौबीसों घंटे हवाई अग्निशमन अभियान संचालन

(जीएनएस)।

भारतीय वायु सेना को 26 मई को कसौली के पास जंगल में आग लगने की सूचना मिली और स्थिति का आकलन करने के लिए तुरंत एक चीता हेलीकॉप्टर भेजा गया। इसके बाद, हालात की गंभीरता को देखते हुए नागरिक प्राधिकरणों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से हिमाचल प्रदेश के कसौली क्षेत्र में लगी भीषण जंगल की आग से निपटने के लिए एमआई-17 वी 5 मीडियम लिफ्ट हेलीकॉप्टर सफलतापूर्वक तैनात किए गए।

सोलन जिले के कसौली बीट क्षेत्र में करीब 10 हेक्टेयर वन क्षेत्र को अपनी चपेट में लेने वाली भीषण आग ने आवासीय क्षेत्रों, महत्वपूर्ण नागरिक ढांचे और सैन्य प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती खड़ी कर दी थी।

राज्य प्रशासन, वन विभाग, भारतीय सेना और स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टरों ने आग को नियंत्रित करने और बुझाने के लिए लगातार बम्बी बकेट अभियान संचालित किया। इस अभियान के तहत चंडीगढ़ स्थित सुखना झील से पानी भरकर प्रभावित क्षेत्रों में डाला गया। प्रत्येक उड़ान में हेलीकॉप्टर लगभग 2,000 से 2,500 लीटर पानी ले जाकर वनाग्नि को नियंत्रित और बुझाने का प्रयास किया गया।

इस अभियान के तहत भारतीय वायु सेना ने दिन-रात लगातार हवाई अग्निशमन अभियान चलाया और प्रभावित क्षेत्र पर 93,000 लीटर से अधिक पानी का छिड़काव किया गया। प्रभावी समन्वय एवं त्वरित कार्रवाई ने आग को व्यापक विनाश का रूप लेने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारतीय वायु सेना के इतिहास में पहली बार रात में देखने वाले चश्मे (एनवीजी) की सहायता से रात्रिकालीन बम्बी बकेट अग्निशमन अभियान सफलतापूर्वक संचालित किए गए। पहाड़ी क्षेत्रों में सीमित दृश्यता और कठिन भू-भाग के बीच इन अभियानों को अंजाम देने के लिए असाधारण उड़ान कौशल, उच्च स्तर की सटीकता व उत्कृष्ट परिचालन दक्षता की आवश्यकता थी। रात्रिकालीन हवाई अग्निशमन अभियानों से जुड़े अंतर्निहित जोखिमों के बावजूद, वायु सेना के विमान चालक दल ने अद्वितीय कार्य कुशलता, साहस और समर्पण का परिचय देते हुए मिशनों को सुरक्षित, प्रभावी एवं सफलतापूर्वक पूरा किया।

हवाई अभियानों के समानांतर, वायु सेना के स्थलीय कर्मियों ने भी अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में समर्पण और दक्षता का प्रदर्शन किया। उन्होंने खराब मौसम और कठिन परिचालन परिस्थितियों के बावजूद अथक परिश्रम करते हुए विमानों की त्वरित सर्विसिंग, मरम्मत तथा पुनः तैनाती सुनिश्चित की। निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप चौबीसों घंटे निर्बाध हवाई अग्निशमन अभियान संचालित होते रहे।

लखनऊ चारबाग स्टेशन शेड हादसे पर रेलवे का बड़ा एक्शन, ठेकेदार पर 50 लाख का जुमार्ना; 3 इंजीनियर सस्पेंड

(जीएनएस)।

लखनऊः राजधानी लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर यात्री शेड गिरने की घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए संबंधित ठेकेदार पर 50 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। साथ ही मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में तीन इंजीनियरों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। घटना की विस्तृत जांच के लिए रेलवे मुख्यालय के तीन वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय समिति भी गठित की गई है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार प्रारंभिक जांच में गंभीर लापरवाही के संकेत मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई है। समिति की रिपोर्ट आने के बाद मामले में और भी सख्त कदम उठाए जा सकते हैं।

रेलवे ने बताया कि घटना में जिम्मेदारी तय करते हुए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी (PMC) टीम को तत्काल प्रभाव से कार्य से हटा दिया गया है। इसके अलावा रेल भूमि विकास प्राधिकरण (RLDA) के प्रोजेक्ट इंजीनियर को निलंबित कर दिया गया है।

लखनऊ मंडल के इंचार्ज वर्क्स सुपरवाइजर और सहायक अभियंता के खिलाफ भी निलंबन की कार्रवाई की गई है। रेलवे प्रशासन का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद जिम्मेदार अन्य अधिकारियों और एजेंसियों पर भी कार्रवाई की जा सकती है।

जांच के लिए बनाई गई हाईलेवल कमेटी, मामले की गंभीरता को देखते हुए रेलवे मुख्यालय के तीन वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय जांच समिति गठित की गई है। यह समिति हादसे के कारणों, निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के पालन की जांच करेगी।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि समिति की रिपोर्ट के आधार पर आगे की जवाबदेही तय की जाएगी।

प्लेटफॉर्म 4-5 को किया गया बंद, हादसे के बाद चारबाग स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 और 5 को एहतियातन दोनों ओर से बंद कर दिया गया। इन प्लेटफॉर्मों पर प्रतिदिन करीब 40 से 42 ट्रेनों की आवाजाही होती है।

यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्लेटफॉर्म पर आम आवाजाही रोक दी गई और रेलवे सुरक्षा बल (RPF) को तैनात किया गया। प्रभावित ट्रेनों का संचालन अन्य प्लेटफॉर्मों से कराया गया। देर शाम तक मलबा हटाने और रूट क्लियर करने का काम जारी रहा।

क्रेनों की मदद से हटाया गया मलबा

यात्री शेड गिरने के बाद रेलवे की तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत और बहाली कार्य शुरू किया। क्रेनों की सहायता से क्षतिग्रस्त ढांचे को हटाया गया ताकि रेल संचालन जल्द से जल्द सामान्य किया जा सके।

इस दौरान डीआरएम सुनील कुमार वर्मा और RLDA के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर पावस यादव ने मौके का निरीक्षण किया। वहीं ब्रिज वर्कशॉप की मेंटेनेंस टीम के प्रमुख अजय यादव, शिवशंकर और राजू समेत अन्य कर्मचारियों ने राहत कार्यों की निगरानी की।

उत्तर रेलवे के जीएम ने लिया जायजा, घटना की जानकारी मिलने के बाद उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक (GM) राजेश पांडेय भी मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने सुरक्षा मानकों की समीक्षा करते हुए जांच को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए।

सीएम योगी ने किया जगद्गुरु रामभद्राचार्य की श्रीराम कथा के भव्य पोस्टर का विमोचन

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से विधायक डॉ. नीरज बोरा के नेतृत्व में एक विशेष आयोजन समिति ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आगामी पहली से नौ जून तक आयोजित होने जा रही पूज्यपाद जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज की भव्य 'श्रीराम कथा' के मंच के पोस्टर का विमोचन किया। सीएम योगी ने इस धार्मिक आयोजन की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

विधायक डॉ. नीरज बोरा ने मुख्यमंत्री को इस पावन कथा में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि यह नौ दिवसीय श्रीराम कथा सीतापुर रोड स्थित 'बृज की रसोई' परिसर में रोजाना शाम पांच बजे से रात आठ बजे तक आयोजित की जाएगी। कथा के लिए आयोजन स्थल पर एक बेहद विशाल और आधुनिक पंडाल का निर्माण कार्य चल रहा है। इस कथा की मुख्य विशेषता इसका मंच होगा, जिसे अयोध्या के भव्य श्रीराम मंदिर की अनुकृति (मॉडल) के रूप में तैयार किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल से आए विशेष कारीगर दिन-रात मेहनत कर व्यास पीठ के पीछे इस दिव्य मंदिर का ढांचा तैयार करने में जुटे हैं। विधायक डॉ. बोरा ने लखनऊ और आसपास के सभी श्रद्धालुओं से इस आध्यात्मिक रसवर्षा का आनंद लेने और भारी संख्या में कथा स्थल पर पहुंचने की अपील की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट करने वाले प्रतिनिधिमंडल में आयोजन समिति के प्रमुख सदस्य राकेश पांडेय, संजीव अग्रवाल, श्यामजी अग्रवाल, सुनील अग्रवाल तथा मनोज अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

राजधानी में आशियाने का सपना साकार करेगा एलडीए, मध्यम वर्ग के लिए बनाएगा LIG और EWS के 900 भवन

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ में मध्यम और अल्प आय वर्ग के लोगों को एलडीए किफायती दरों पर आवास उपलब्ध कराने जा रहा है। सीतापुर रोड पर शिया पीजी कॉलेज के पास खाली कराई जमीन पर 900 एलआईजी और ईडब्ल्यूएस भवन बनाए जाएंगे। इनकी कीमत 15 लाख से 35 लाख रुपये के बीच होगी। छह महीने में पंजीकरण खोला जाएगा। आवंटन लॉटरी के जरिये होगा।

एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि शिया पीजी कॉलेज के पास कब्जामुक्त कराई करीब 16 हजार वर्गमीटर जमीन पर ग्रुप हाउसिंग योजना विकसित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना और ले-आउट तैयार कराया गया है। यहां एलआईजी के 582 और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के 336 भवन बनाए जाएंगे।

वीसी ने बताया कि टू-बीएचके के एलआईजी भवन का क्षेत्रफल लगभग 50 वर्गमीटर होगा। इनकी कीमत करीब 35 लाख रुपये होगी। वन-बीएचके के ईडब्ल्यूएस भवन लगभग 38 वर्गमीटर क्षेत्रफल के होंगे। इनकी कीमत लगभग 15 लाख रुपये होगी। इस योजना से मध्यम और अल्प आयवर्ग के परिवारों का राजधानी में अपने आशियाने का सपना साकार हो सकेगा।

आवासीय परियोजना के सभी टावर आपस में जुड़े होंगे। इससे लोगों को आवागमन में आसानी होगी। अपार्टमेंट में आठ पैसेंजर लिफ्ट और तीन सर्विस लिफ्ट का प्रावधान किया जाएगा। इसके साथ ही 600 से अधिक वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था होगी। करीब तीन हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल में पार्क और ग्रीन एरिया विकसित किया जाएगा।

खराब मौसम में लखनऊ एयरपोर्ट बना 'संकटमोचक', एक ही दिन में 5 विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग, एक फ्लाइट में फ्यूल भी खत्म होने वाला था

राजधानी लखनऊ का चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट इमरजेंसी और डायवर्ट लैंडिंग के लिए संकटमोचक बनकर उभरा है. एक ही दिन में पांच विमानों की इमरजेंसी या फिर डायवर्ट लैंडिंग करवाई गई है. पुणे से दिल्ली जा रही फ्लाइट का तो फ्यूल भी खत्म होने वाला था. लेकिन अळउ की सूझबूझ की वजह से सुरक्षित लैंडिंग हुई.

(जीएनएस)।

लखनऊ. नौतपा के दिनों में अचानक मौसम के बदले मिजाज ने जहां, प्रचंड गर्मी से लोगों को राहत दी है, वहीं हवाई यातायात को भी बाधित कर दिया है. दिल्ली और पटना में लगातार खराब मौसम के कारण हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हो रहा है. यही वजह है कि लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर एक ही दिन में 5 फ्लाइट्स की इमरजेंसी या फिर डायवर्ट लैंडिंग कराई गई. एयर ट्रैफिक कंट्रोल की सतर्कता और मुस्तैदी की वजह से भी विमानों की सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित की गई. अगर बात करें तो 17 मई से अब तक कुल 19 फ्लाइट्स को लखनऊ एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया जा चुका है.

लखनऊ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पुणे से दिल्ली के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट AI1839 लो फ्यूल की वजह से इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई. इसके अलावा एयर इंडिया एक्सप्रेस की क1231 भी खराब मौसम के कारण लखनऊ डायवर्ट की गई. दिल्ली से पटना के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस क1346 को भी खराब मौसम की वजह से लखनऊ में उतारा गया. मौसम सामान्य होने के बाद इसे पटना के लिए रवाना किया गया. चंडीगढ़ से पटना जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6E6394 को भी खराब मौसम की वजह से लखनऊ एयरपोर्ट की तरफ डायवर्ट किया गया. साथ ही इंडिगो की फ्लाइट 6E2769 को भी लखनऊ में सुरक्षित लैंडिंग कराई गई.

दिल्ली-पटना रूट सबसे ज्यादा प्रभावित

एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और इंडिगो की इन उड़ानों को मुख्य रूप से दिल्ली और पटना में लौ विजिबिलिटी और खराब मौसम के कारण लखनऊ की ओर मोड़ा गया. लखनऊ एयरपोर्ट पर अळउ ने इस व्यवस्था को मुस्तैदी से हैंडल किया सभी विमानों की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई. अब इसी बात से अंदाजा से लगाया जा सकता है कि लखनऊ एयरपोर्ट एक सुरक्षित और वैकल्पिक हवाई अड्डे के रूप में उभरा है. हालांकि, यात्रियों को कुछ असुविधा का सामना करना पड़ा, लेकिन किसी भी प्रकार की अनहोनी टल गई. मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में कुछ क्षेत्रों में मौसम में सुधार की उम्मीद है, लेकिन यात्री सलाह दी जाती है कि अपनी फ्लाइट की स्थिति की लगातार जांच करते रहें.

जून से 30 जून तक देशभर में चलेगा 'खेत बचाओ अभियान'

"खेत बचाओ अभियान" को गांव-गांव तक ले जाने की तैयारी, श्री शिवराज सिंह चौहान ने पंचायत से राज्य तक व्यापक समन्वय पर दिया जोर

कम खाद, सही खाद, सही सलाहः खेत बचाओ अभियान में संतुलित उर्वरक उपयोग होगा फोकस- केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

मौसम, मिट्टी और बाजार के हिसाब से किसान को मिलेगी सीधी सलाह, खेत बचाओ अभियान बनेगा मार्गदर्शक- श्री शिवराज सिंह चौहान

पंचायत, केवीके, आईसीएआर और राज्य सरकारें मिलकर चलाएंगी खेत बचाओ अभियान, योजनाओं का लाभ भी पहुंचेगा साथ-साथ- श्री शिवराज सिंह

मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक और जनप्रतिनिधियों से भागीदारी का करेंगे आग्रह, खेत बचाओ अभियान को मिलेगा राष्ट्रीय जनआंदोलन का रूप

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने तैयारी के संबंध में दिल्ली में ली उच्चस्तरीय बैठक

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 'खेत बचाओ अभियान' को केवल एक जागरूकता कार्यक्रम नहीं, बल्कि खेत, किसान और गांव को जोड़ने वाला व्यापक राष्ट्रीय अभियान बनाने का संदेश दिया है। आज दिल्ली में इस अभियान की तैयारी के संबंध में श्री शिवराज सिंह ने उच्चस्तरीय बैठक लेकर अभियान का फोकस संतुलित एवं विवेकपूर्ण उर्वरक उपयोग, मौसम की चुनौती के मद्देनजर समय पर किसान सलाह, पंचायत स्तर पर सक्रिय भागीदारी और योजनाओं के लाभ को सीधे गांव तक पहुंचाने पर रखने की बात कही।

एक जून से शुरू हो रहे महीनेभर चलने वाले 'खेत बचाओ अभियान' को प्रभावी और परिणामकारी बनाने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान का फोकस खेत को बचाने, लागत को संतुलित करने और किसान को सही समय पर सही मार्गदर्शन देने पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह अभियान ऊपर से नीचे तक नहीं, बल्कि पंचायत से लेकर राज्य और केंद्र तक साझी भागीदारी के मॉडल पर चलेगा।

बैठक में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने सबसे महत्वपूर्ण बिंदु के रूप में इस बात पर बल दिया कि रासायनिक उर्वरकों, विशेषकर असंतुलित उपयोग को कम करना अभियान का प्रमुख उद्देश्य होगा। किसानों को मृदा परीक्षण आधारित, संतुलित और सही मात्रा में खाद तथा अन्य कृषि इनपुट के उपयोग के बारे में जागरूक करने, हरी खाद, जैविक और जैव-उत्पादों के उपयोग को बढ़ाने तथा एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (क्ठट) के प्रदर्शन आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है।

कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि आने वाले समय को लेकर जो मौसम संबंधी चिंता जताई जा रही है, उसके मद्देनजर किसानों को व्यावहारिक सलाह दी जाएगी कि वे क्या करें, क्या न करें, कौन-सी फसल लें, कहाँ फसल विविधीकरण अपनाएं और कम पानी या जोखिम की स्थिति में कौन-से विकल्प बेहतर रहेंगे। अभियान का उद्देश्य केवल संदेश देना नहीं, बल्कि खेत-स्तर पर किसान को स्थिति-विशेष के अनुरूप सलाह देना होगा।

बैठक में यह भी कहा कि पंचायत स्तर पर इस अभियान को मजबूत आधार दिया जाएगा। पंचायत स्तर पर मैकेनाइजेशन की मशीनों का वितरण, योजनाओं का लाभ और जहां संभव हो वहां सरकारी कार्यक्रमों का प्रत्यक्ष लाभ भी इसी अभियान के अंतर्गत जोड़ने के लिए शिवराज सिंह ने निर्देशित किया।

श्री चौहान ने यह भी कहा कि अभियान को केवल विभागीय दायरे में सीमित नहीं रखा जाएगा। राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया जाएगा और मंत्रियों, सांसदों, विधायकों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों से भी भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास होगा, ताकि यह अभियान एक प्रशासनिक कार्यक्रम से आगे बढ़कर जनसहभागिता का मजबूत मॉडल बन सके। उन्होंने कहा कि यह दृष्टिकोण अभियान को प्रारंभिक दिनों से ही राजनीतिक, सामाजिक और स्थानीय ऊर्जा देगा।

बैठक में बताया गया कि अभियान के लिए ङश्ङ२ को सभी सहभागी संस्थानों के लिए प्रमुख समन्वयक की भूमिका दी गई है, साढ़े 1600 से अधिक टीमें बनाई गई हैं। अधिक उर्वरक उपयोग वाले 100 जिलों के लिए 500 टीमें गठित की गई हैं, जिनमें ङश्ङ, कउअफ संस्थान, अकउफ्ढ केंद्रों के वैज्ञानिक और कृषि विभाग के अधिकारी शामिल होंगे, जबकि कउअफ संस्थानों और ङश्ङ२ की 1150 से अधिक बहुविषयक टीमें भी समानांतर रूप से काम करेंगी।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि अभियान को केवल खाद प्रबंधन तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि योजनाओं का लाभ भी खेत तक पहुंचाया जाएगा। किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम-किसान से छूटे लाभार्थियों को जोड़ना, दलहन-तिलहन मिशन, ऑयल पाम, कॉटन मिशन, संतुलित पोषण, मिट्टी स्वास्थ्य, जल-संरक्षण और क्षेत्र-विशेष कृषि सलाह जैसी गतिविधियों को समन्वित रूप में जोड़ने का दृष्टिकोण अभियान को बहुउद्देशीय और प्रभावी बनाएगा।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने बैठक में कहा कि अभियान की सफलता की कुंजी यही है कि संदेश व्यवहारिक हो, जमीन पर दिखे और स्थानीय संरचना उससे जुड़ी हो। इसलिए फर्टिलाइजर के कम और संतुलित उपयोग, मौसम के अनुरूप खेती की सलाह, पंचायत-स्तर की सक्रियता, मशीनरी और योजनाओं के लाभ का समावेश तथा जनप्रतिनिधियों की भागीदारी; इन बुनियादी बिंदुओं पर अभियान के दौरान ध्यान रखा जाए। अभियान की दिशा साफ हैः खेत बचे, लागत संभले, मिट्टी सुधरे, किसान जागरूक बने और गांव स्तर पर कृषि प्रबंधन की नई संस्कृति विकसित हो।

लखनऊ में मोबाइल स्कूल; निजी संस्था ने बस को बनाया क्लासरूम, झुग्गी के बच्चों में फैला रही शिक्षा की का उजियारा

लखनऊ के 12 इलाकों में पहियों पर दौड़ रही पाठशाला. 1200 वंचित बच्चों को मुख्यधारा में लाने का संकल्प. लखनऊ पुलिस भी कर रही सहयोग.

(जीएनएस)।

लखनऊ : समाज के सबसे वंचित और हाशिए पर खड़े परिवारों के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का बीड़ा उठाते हुए लखनऊ की एक निजी संस्था (NGO) ने प्रेरणादायक मुहिम शुरू की है. संस्था ने शहर की झुग्गी-झोपड़ियों और सड़क किनारे जीवन बसर करने वाले नौनिहालों के लिए 'चलती-फिरती स्कूल' (मोबाइल बस क्लासरूम) की शुरूआत की है. बस को पूरी तरह से क्लासरूम में तब्दील करके बच्चों को शिक्षित किया जा रहा है.

संस्था द्वारा संचालित यह मोबाइल पाठशाला वर्तमान में लखनऊ के 12 इलाकों में अपनी सेवाएं दे रहा है. यहां सप्ताह में तीन दिन कक्षाएं लगती हैं. बस के अंदर ब्लैकबोर्ड, ज्ञानवर्धक किताबें, कॉपियां, बैठने के लिए कुर्सियां और पीने के साफ पानी की व्यवस्था रहती है. संस्था के शिक्षक खेल-खेल और आधुनिक तरीकों से छोटे बच्चों को अक्षर ज्ञान दे रहे हैं. इसमें लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट और जिला प्रशासन का भी सहयोग मिल रहा है.

संस्था प्रमुख संजय गुप्ता बताते हैं कि हमारा उद्देश्य सिर्फ बच्चों को साक्षर बनाना या किताबी ज्ञान देना नहीं है. हम उनके जीवन और उनके परिवारों की सोच में स्थायी बदलाव लाना चाहते हैं. आर्थिक तंगी और जागरूकता के अभाव में जो बच्चे बचपन से ही मुख्यधारा से कट गए थे, उन्हें वापस लाना और उनमें पढ़ाई की आदत डालना ही संस्था का मुख्य ध्येय है.संस्था के प्रयासों और काउंसिलिंग के चलते अब तक करीब 250 बच्चों का दाखिला औपचारिक सरकारी और निजी स्कूलों में कराया जा चुका है. इस वर्ष संस्था ने 1200 से अधिक बच्चों को इस मुहिम से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है.

संजय गुप्ता बताते हैं कि शुरूआती दौर में सबसे बड़ी चुनौती बच्चों के पास पहचान पत्र या अन्य आवश्यक सरकारी दस्तावेजों के न होने के कारण आ रही थी. जिससे उनका स्कूलों में दाखिला नहीं हो पाता था. इस समस्या को देखते हुए प्रदेश सरकार और लखनऊ प्रशासन ने विशेष निर्देश जारी किए, जिसके तहत अब बिना दस्तावेजों के भी इन वंचित बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिया जा रहा है. संस्था की इस मुहिम में लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट सहयोग कर रहा है. पुलिस अधिकारी समय-समय पर कक्षाओं में पहुंचकर बच्चों का हौसला बढ़ाते हैं और संस्था को हर संभव सहयोग का भरोसा देते हैं.

संजय गुप्ता बताते हैं कि संस्था की इस पाठशाला में केवल अक्षर ज्ञान ही नहीं दिया जाता है, बल्कि हुनर भी निखारा जाता है. सदर इलाके में रहने वाले नूर (7) को रैप गायकी और गाने लिखने का शौक है. नूर गरीब परिवार से ताल्लुक रखता है, आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है. माता-पिता मजदूरी करके घर चलाते हैं. नूर भी काम में हाथ बंटाता था. नूर कभी स्कूल नहीं गया. नूर को चलती फिरती स्कूल में पढ़ने का मौका मिला तो वह अपनी प्रतिभा को निखार रहा है. नूर की याददाश्त काफी तेज है. कई बच्चियां बेहतरीन स्केच बनाकर अपनी प्रतिभा दिखा रही हैं. संस्था की ओर से बच्चों को उपहार भी दिए जाते हैं. लखनऊ के अलावा ऐसा ही अभियान नोएडा में भी चलाया जा रहा है. आने वाले समय में इसे देश के दूसरे शहरों में चलाने की तैयारी है.

रूस से तनाव के बीच आर्मेनिया में सोवियत-स्टाइल की मिलिट्री परेड, भारतीय हथियारों का दबदबा, मॉस्को क्यों नाराज

आर्मेनिया में इसी सप्ताह आयोजित की गई बड़ी मिलिट्री परेड में भारतीय हथियार प्रणालियों का दबदबा दिखाई दिया है। इस परेड में आकाश, पिनाका और स्वाति रडार जैसी सैन्य प्रणालियां काराकस क्षेत्र में भारत की बढ़ती उपस्थिति को दिखाती हैं।

येरेवानः ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच आर्मेनिया ने गुरुवार को एक विशाल सोवियत-स्टाइल सैन्य परेड आयोजित की, जिसमें उसने अपने बढ़ते हथियार भंडार को प्रदर्शित किया है। यह परेड संसदीय चुनावों से ठीक एक सप्ताह पहले आयोजित की गई है। 2016 के बाद यह आर्मेनिया की पहली ऐसी परेड थी, जिसमें भारी हथियारों को शामिल किया गया। इस परेड में एक महत्वपूर्ण रक्षा निर्यातक के रूप में भारत की मौजूदगी भी दर्ज हुई है।

28 मई को आयोजित परेड में भारतीय मूल के कई तरह के सैन्य सिस्टम राजधानी येरेवान के मुख्य चौक से होकर गुजरे। इसने साफ तौर पर दिखाया कि भारत किस तरह येरेवान के सबसे अहम रक्षा साझेदारों में एक बनकर उभरा है। यह परेड भारत के लिए एक सार्वजनिक प्रदर्शन था कि उसका रक्षा उद्योग अब वैश्विक हथियार बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रहा है।

आकाश एयर डिफेंस सिस्टमः आकाश प्रणाली एक मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाला मिसाइल प्लेटफॉर्म है। इसका निर्माण भारत डायनेमिक्स लिमिटेड करती है जिसे DRDO ने विकसित किया है।

ATAGS 155mm तोपः यह भारत की सबसे महत्वाकांक्षी स्वदेशी तोप परियोजनाओं में से एक है। इसे अफ्ल्ड और कल्याणी समूह ने विकसित किया है। इसमें स्वचालित प्रणालियां हैं और बहुत तेजी से एक जगह से दूसरी जगह जा सकती है।

पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर- पिनाका को एक साथ कई हमले करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह दुश्मन के ठिकानों पर तेजी से और लंबी दूरी से हमला करने की क्षमता देता है।